नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने से पहले ही **अनुबंध की शर्तें पूरी** की प्रदेश की सरकार ने

बिजली, पानी व सड़क जुड़ाव का काम पूरा

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने से पहले प्रदेश सरकार ने अनुबंध की शर्तों को पूरा कर दिया है। एयरपोर्ट की विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. और प्रदेश सरकार के बीच हुए अनुबंध के तहत बिजली, पानी और सड़क कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी थी। तीनों सुविधाएं एयरपोर्ट की चारदीवारी तक पहुंच चुकी हैं। परिसर के अंदर का ढांचा विकसित करने की जिम्मेदारी विकासकर्ता कंपनी की है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकास एवं संचालन के लिए प्रदेश सरकार और विकासकर्ता कंपनी के बीच 2021 में अनुबंध हुआ था। इसके तहत प्रदेश सरकार ने बिजली, पानी एवं यमुना एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने का वादा किया गया था। तीनों ही ढांचागत सुविधाओं का काम एयरपोर्ट शुरू होने से करीब तीन माह पहले ही पूरा कर लिया गया है।

सेक्टर 32 से एयरपोर्ट को बिजली की आपूर्ति: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट चार चरण में विकसित होगा। यात्रियों की संख्या जैसे-जैसे बढ़ती जाएगी, एयरपोर्ट के विस्तार का काम शुरू हो जाएगा। शुरुआती चरण में एयरपोर्ट की बिजली जरूरत 19 मेगावाट का आंकलन है। बिजली आपूर्ति के लिए सेक्टर 32 में 400 केवी सब स्टेशन से एयरपोर्ट की बिजली जरूरत को पूरा कर दिया गया है। आपात स्थिति में सेक्टर 18 स्थित 220 केवी सब स्टेशन से भी एयरपोर्ट को बिजली आपूर्ति प्रदान की जा सकेगी।

रेनीवेल से पानी की आपूर्ति शुरू: नोएडा एयरपोर्ट की पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए यमुना नदी के किनारे रेनीवेल बनाए गए हैं। चार एमएलडी क्षमता का एक रेनीवेल तैयार होने के बाद पानी आपूर्ति शुरू हो चुकी है। चार एमएलडी क्षमता का एक दूसरा रेनीवेल का निर्माण जल्द शुरू होगा। रेनीवेल व पाइप लाइन के निर्माण पर कुल 12.69 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। शुरुआत में एयरपोर्ट की पानी की जरूरत तीन एमएलडी की है। इसमें पेयजल समेत अन्य कार्य के लिए पानी का उपयोग होगा। पानी के शोधन के लिए परिसर में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट विकासकर्ता कंपनी तैयार करेगी।

फलैदा बांगर गांव में रेनीवेल का निरीक्षण करने पहुंचे यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ● सौ. प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए बनाया गया इंटरचेंज ● जागरण

2021 में प्रदेश सरकार व विकासकर्ता कंपनी के बीच हुआ था अनुबंध

19 मेगावाट का आंकलन है शुरुआती चरण में एयरपोर्ट की बिजली जरूरत

8 लेन सड़क का निर्माण किया गया है भविष्य की जरूरत को देखते हुए

200 करोड़ के करीब की लागत आई है इंटरचेंज व सड़क के निर्माण पर

एयरपोर्ट पर बिजली व पानी की मांग

एयरपोर्ट का फेज	बिजली मांग	पानी	यात्री संख्या
पहला	19 मेगावाट	3 एमएलडी	1.20 करोड़
दूसरा	28 मेगावाट	6 एमएलडी	3 करोड़
तीसरा	50 मेगावाट	9 एमएलडी	5 करोड़
चौथा	107 मेगावाट	12 एमएलडी	7 करोड़

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की विकासकर्ता कंपनी व प्रदेश सरकार के बीच हुए अनुबंध के तहत बिजली, पानी व सड़क कनेक्टिविटी की सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं। एयरपोर्ट परिसर में पानी, बिजली पहुंचाने के साथ सड़क से जोड़ दिया गया है।

-शैलेंद्र भाटिया, नोडल अफसर, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

अप्रैल में शुरू होनी हैं कामर्शियल सेवाएं

नोएडा एयरपोर्ट से अप्रैल में यात्री सेवाओं की शुरुआत होनी है। मार्च अंत तक महानिदेशालय नागर विमानन से एयरोड्रम लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। पहले दिन से तीन अंतरराष्ट्रीय, दो कार्गो व 25 घरेलू उड़ान सेवा प्रस्तावित हैं। सालाना पांच-छह लाख यात्री हवाई सफर करेंगे।

इंटरचेंज व सड़क के निर्माण पर खर्च हुए

यमुना एक्सप्रेसवे और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी का काम पूरा हो चुका है। यमुना एक्सप्रेसवे पर चार लेन का इंटरचेंज बनाने के साथ 700 मीटर लंबी आठ लेन सड़क का निर्माण किया गया है। अनुबंध के तहत चार लेन सड़क बनाई जानी थी, लेकिन एयरपोर्ट की भविष्य की जरूरत को देखते हुए आठ लेन सड़क का निर्माण किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इंटरचेंज व सड़क का निर्माण किया है। इंटरचेंज व सड़क के निर्माण पर करीब 200 करोड़ की लागत आई है। इंटरचेंज व सड़क के जरिये यात्री यमुना एक्सप्रेस वे से सीधे एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश कर सकेंगे। परिसर में सड़क आदि का निर्माण विकासकर्ता कंपनी कर रही है।